



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण

## EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 185]

नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त 21, 2004/श्रावण 30, 1926

No. 185]

NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 21, 2004/SRAVANA 30, 1926

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 21 अगस्त, 2004

नियम

सं. ए-12011/2/2004/सीएचएस-1.—मंत्रालयों/संबंधित विभागों और दिल्ली नगर निगम को सहमति से निम्नलिखित सेवाओं/पदों में रिक्तियों को भरने के उद्देश्य से मंत्र लोक सेवा आयोग द्वारा 2005 में आयोजित की जाने वाली एक प्रतियोगिता परीक्षा समर्मालित चिकित्सा सेवा परीक्षा के नियम समान्य सूचना के लिए प्रकाशित किए जाते हैं :—

- (i) रेलवे में महायक मंडल चिकित्सा अधीकारी।
- (ii) भारतीय आयुध कारबाना स्वास्थ्य सेवा के कनिष्ठ वेतनमान पद।
- (iii) केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवाओं में कनिष्ठ वेतनमान पद।
- (iv) दिल्ली नगर निगम में चिकित्सा अधिकारी।

1. मंत्र लोक सेवा आयोग द्वारा यह परीक्षा परिशिष्ट-1 में निर्धारित किए गए नियमों के अनुसार आयोजित की जाएगी।

परीक्षा की तारीख (तारीखें) और स्थान आयोग द्वारा नियत किए जायेंगे।

2. उम्मीदवार उपयुक्त मेनाओं/पदों में से किसी एक अथवा एक में अधिक में भाग ले सकते हैं। जो उम्मीदवार परीक्षा के लिए भाग के परिणाम के आधार पर अहंक प्राप्त कर लेंगे उन्हें अपने विस्तृत आवेदन प्रपत्र में उन सेवाओं/पदों को म्पेष्ट रूप से निर्दिष्ट करना होगा जिनके लिए वे वरीयता क्रम में निच्छार करने के इच्छुक हों। उम्मीदवारों

को सलाह दी जाती है कि वे जितनी वरीयता चाहें दे सकते हैं जिससे कि नियुक्त करते समय उनकी वरीयता पर उनके रेंक के अनुसार उचित विचार किया जा सके।

विशेष ध्यान दें : (i) रेलवे में सहायक मंडल चिकित्सा अधिकारी के पद के इच्छुक उम्मीदवारों को भी अपने विस्तृत आवेदन प्रपत्र में रेलवे के जोन का विकल्प वरीयता क्रम में देना होगा। विभिन्न रेलवे जोनों में उसका आवंटन करते समय इन वरीयताओं को ध्यान में रखा जायेगा लेकिन, उसका यह अर्थ नहीं है कि उम्मीदवार को केवल इन रेलवे जोनों में से केवल एक ही आवंटित किया जायेगा। चूंकि यह मेंमा सारे देश के लिए है इसलिए उम्मीदवार को भारतीय रेल के किसी भी जोन में स्थानान्तरित किया जा सकता है।

विशेष ध्यान दें : (ii) उम्मीदवार द्वारा अपने विस्तृत आवेदन प्रपत्र में पहले से दी गई वरीयताओं को बढ़ाने/बदलने के किसी भी अनुरोध को आयोग द्वारा स्वीकार नहीं किया जायेगा।

3. परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या आयोग द्वारा जारी नोटिस में विनिर्दिष्ट की जायेगी।

अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ी श्रेणियों तथा शारीरिक रूप से अक्षम श्रेणियों के उम्मीदवारों के लिए मरकार द्वारा नियत की गई रिक्तियों के अनुसार आरक्षण किया जायेगा।

## 4. पात्रता की शर्तें :

(क) राष्ट्रीयता

उम्मीदवार को या तो :—

- (1) भारत का नागरिक होना चाहिए, या
- (2) नेपाल की प्रजा, या
- (3) भूटान की प्रजा, या

- (4) ऐसा तिब्बती शरणार्थी, जो भारत में स्थाई रूप में रहने की इच्छा से पहली जनवरी, 1962 से पहले भारत आ गया हो, या
- (5) कोई भारतीय मूल का व्यक्ति जो भारत में अस्थाई रूप से रहने की इच्छा से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका और पूर्वी अफ्रीकी देशों कीनिया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य तंजानिया, जार्बिया, मलाबी, जोरे और इथोपिया और वियतनाम से आया हो :

परन्तु (2), (3), (4), और (5) वर्गों के अंतर्गत आने वाले उम्मीदवार के पास भारत सरकार द्वारा जारी किया गया पात्रता (एलिजीबिलिटी) प्रमाण-पत्र होना चाहिए; परीक्षा में ऐसे उम्मीदवार को भी जिसके लिए पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो परीक्षा में बैठने दिया जा सकता है; परन्तु उसे नियुक्त प्रस्ताव भारत सरकार द्वारा आवश्यक प्रमाण-पत्र दिए जाने पर ही दिया जाएगा।

5. (क) आयु सीमा : इस परीक्षा में बैठने वाले उम्मीदवार की आयु पहली जनवरी, 2005 तक 32 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए; अर्थात् उम्मीदवार का जन्म 2 जनवरी, 1973 के पहले का नहीं होना चाहिए।

(ख) ऊपरी आयु सीमा में निम्न प्रकार छूट प्राप्त है :—

(1) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या जनजाति का हो तो अधिक से अधिक पांच वर्ष तक;

(2) अन्य पिछड़ी श्रेणियों के उन उम्मीदवारों के मामले में अधिकतम 3 वर्ष तक जो ऐसे उम्मीदवारों के लिए लागू आरक्षण को पाने के लिए पात्र हैं;

(3) ऐसे उम्मीदवारों के मामले में, जिन्होंने 1 जनवरी, 1980 से 31 दिसम्बर, 1989 तक की अवधि के दौरान साधारणतया जम्मू और कश्मीर राज्य में अधिवास किया हो, अधिकतम 5 वर्ष तक;

(4) रक्षा सेवाओं के उन कर्मचारियों के मामले में अधिक से अधिक तीन वर्ष तक जो किसी अन्य देश के साथ संबंध में अथवा असांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग हुए हों तथा उसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए हों;

(5) जिन भूतपूर्व सैनिकों (कमीशन प्राप्त अधिकारियों और आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) ने पहली जनवरी, 2004 को कम से कम पांच वर्ष की सैनिक सेवा की है और जो कदाचार या अक्षमता के आधार पर बर्खास्त या सैनिक सेवा से हुई शारीरिक अपंगता या अक्षमता के कारण कार्यमुक्त हुए हैं (इनमें वे भी सम्मिलित हैं जिनका कार्यकाल पहली जनवरी, 2005 से एक वर्ष के अन्दर पूरा होना है) उनके मामले में अधिक से अधिक पांच वर्ष तक;

(6) आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों के मामले में अधिकतम पांच वर्ष जिन्होंने सैनिक सेवा के पांच वर्ष की सेवा की प्रारम्भिक अवधि पहली जनवरी, 2005 तक पूरी कर ली है और जिनका कार्यकाल पांच वर्ष से आगे बढ़ाया गया है तथा जिसके मामले में रक्षा मंत्रालय को एक

प्रमाण-पत्र जारी करना होगा कि सिविल रोजगार के लिए आवेदन कर सकते हैं और चयन हो जाने पर नियुक्त प्रस्ताव प्राप्त होने की तारीख से तीन माह के नोटिस पर उन्हें कार्यभार से मुक्त किया जाएगा;

(7) दृष्टिहीन, मूक-बाधिर एवं विकलांग उम्मीदवारों के लिए अधिकतम 10 वर्षों तक;

(8) रेलवे के कुछ तदर्थ डाक्टरों द्वारा दायर की गई रिट याचिकाओं (1986 की रिट याचिका सं. 845 के साथ और 1986 की ही रिट याचिका सं. 1165, 1328, 1619, 1735, 1275, 1457, 1087, 1034, 1263, 1294, 1327, 1349, 1370, 1353, 1400, 1451, 1504, 1564, 1650 तथा 1609 के साथ और 1987 की रिट याचिका सं. 370, 298 और 73 के साथ तक्षा 1987 की रिट याचिका सं. 822, 875, 180 और 200 के साथ) के बारे में उच्चतम न्यायालय के दिनांक 24-9-87 के आदेशों को ध्यान में रखते हुए रेल मंत्रालय में 1-10-1984 के बाद तदर्थ आधार पर नियुक्त डाक्टरों की आय में रेलवे में तदर्थ डाक्टरों के रूप में उनके द्वारा की गई सेवा की समयावधि तक ही छूट दी जाएगी। इस उपबंध के अंतर्गत ऊपरी आयु सीमा में छूट का दावा करने वाले तदर्थ डाक्टरों की परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन-पत्र रेल मंत्रालय के माध्यम से प्रस्तुत करने चाहिए। रेल मंत्रालय यह प्रमाणित करेगा कि आवेदन उच्चतम न्यायालय के आदेशों के अनुसार प्रस्तुत किए गए।

टिप्पणी 1 :— अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति व अन्य पिछड़े वर्गों से संबंधित वे उम्मीदवार, जो उपर्युक्त नियम 5(ख) के किन्हीं अन्य खण्डों, अर्थात्, जो भूतपूर्व सैनिकों, जम्मू तथा कश्मीर राज्य में अधिवास करने वाले व्यक्तियों की श्रेणी के अंतर्गत आते हों, दोनों श्रेणियों के अंतर्गत दी जाने वाली संचयी आयु सीमा छूट प्राप्त करने के पात्र होंगे।

टिप्पणी 2 :— भूतपूर्व सैनिक शब्द उन व्यक्तियों पर लागू होगा जिन्हें समय-समय पर यथा संशोधित भूतपूर्व सैनिक (सिविल सेवा और पद में रोजगार) नियम, 1979 के अधीन भूतपूर्व सैनिक के रूप में परिभाषित किया जाता है।

टिप्पणी 3 :— आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा के कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित व भूतपूर्व सैनिक तथा कमीशन अधिकारी, जो स्वर्य के अनुरोध पर सेवामुक्त हुए हैं, उन्हें उपर्युक्त नियम 5(ख) (5) तथा (6) के अधीन आयु सीमा में छूट नहीं दी जाएगी।

टिप्पणी 4 :— उपर्युक्त नियम 5(ख) (7) के अंतर्गत आयु में छूट के बावजूद शारीरिक रूप से विकलांग उम्मीदवार की नियुक्ति हेतु प्रत्रात्रा पर तभी विचार किया जा सकता है जब वह (सरकार या नियोक्ता प्राधिकारी, जैसा भी मामला हो) द्वारा निर्धारित शारीरिक परीक्षण के बाद सरकार द्वारा शारीरिक रूप से विकलांग उम्मीदवारों को आवंटित संबंधित सेवाओं/ददों के लिए निर्धारित शारीरिक एवं चिकित्सा मानकों की अपेक्षाओं को पूरा करता हो।

उपर्युक्त व्यवस्था को छोड़कर निर्धारित आयु सीमा में किसी भी स्थिति में छूट नहीं दी जाएगी।

आयोग जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मैट्रिक्युलेशन या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र या किसी भारतीय

विश्वविद्यालय द्वारा मैट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण-पत्र या किसी विश्वविद्यालय द्वारा अनुरक्षित मैट्रिकुलेशन के रजिस्टर में दर्ज की गई हो और यह उद्धरण विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हो या उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसकी समकक्ष परीक्षा प्रमाण-पत्र में दर्ज हो।

आयु के संबंध में कोई अन्य दस्तावेज जैसे जन्म कुण्डली, शपथ पत्र, नगर निगम से और सेवा अभिलेख से प्राप्त जन्म संबंधी उद्धरण तथा उन जैसे प्रमाण स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

अनुच्छेद के इस भाग में आये “मैट्रिकुलेशन उच्चतर माध्यमिक परीक्षा” प्रमाण-पत्र वाक्यांश के अंतर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्र सम्मिलित हैं।

**टिप्पणी 1 :**—उम्मीदवारों को ध्यान में रखना चाहिए कि आयोग जन्म की उसी तारीख को स्वीकार करेगा जो कि आवेदन पत्र प्रस्तुत करने की तारीख को मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण-पत्र में दर्ज है और इसके बाद उसमें परिवर्तन के किसी अनुरोध पर न तो विचार किया जाएगा और न स्वीकार किया जाएगा।

**टिप्पणी 2 :**—उम्मीदवार यह भी ध्यान रखें कि उनके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की तारीख एक बार घोषित कर देने और आयोग द्वारा उसे अपने अभिलेख में दर्ज कर लेने के बाद उसमें या आयोग की अन्य किसी परीक्षा में किसी भी आधार पर परिवर्तन करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

6. परीक्षा में प्रवेश के लिए उम्मीदवार फाइल एम.बी.बी.एस. परीक्षा के लिखित तथा प्रायोगिक भागों में उत्तीर्ण हो।

**टिप्पणी 1 :**—वह उम्मीदवार भी आवेदन कर सकता है जिसने फाइनल एम.बी.बी.एस. परीक्षा दे दी है या जिसने अभी देनी है। यदि ऐसे उम्मीदवार अन्यथा पात्र हुए तो उन्हें उक्त परीक्षा में प्रवेश दे दिया जाएगा परन्तु उसका प्रवेश अनन्तिम रहेगा तथा फाइनल एम.बी.बी.एस. परीक्षा के लिखित तथा प्रायोगिक भागों को उत्तीर्ण करने का प्रमाण प्रस्तुत न करने की स्थिति में रह कर दिया जाएगा। उक्त प्रमाण, विस्तृत आवेदन-पत्र के, जो उक्त परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम के आधार पर अर्हता प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों द्वारा आयोग को प्रस्तुत करने पड़ेंगे, के साथ प्रस्तुत किया जाएगा।

**टिप्पणी 2 :**—उक्त परीक्षा में प्रवेश के लिए वह भी शैक्षिक रूप से प्राप्त है जिन्हें अभी भी अनिवार्य रोटेटिंग इंटर्नशिप पूरी करनी है, किन्तु चयन हो जाने पर उन्हें अनिवार्य रोटेटिंग इंटर्नशिप पूरी करने के बाद ही नियुक्त किया जाएगा।

7. उम्मीदवार को आयोग के नोटिस में निर्धारित शुल्क अवश्य देना होगा।

8. सभी उम्मीदवारों को, चाहे वे पहले सरकारी नौकरी में हों या सरकारी औद्योगिक उपकरणों में हों या इसी प्रकार के अन्य संगठनों में हों, या गैर-सरकारी संस्थाओं में नियुक्त हों, अपने आवेदन-प्रपत्र आयोग को सीधे भेजने चाहिए, अगर किसी उम्मीदवार ने अपना आवेदन-पत्र अपने नियोक्ता के द्वारा भेजा हो और वह संघ लोक सेवा आयोग में देर से पहुंचा हो तो आवेदन-प्रपत्र पर विचार नहीं किया जाएगा भले ही वह

नियोक्ता को आखिरी तारीख के पहले प्रस्तुत किया गया हो। जो व्यक्ति पहले से सरकारी नौकरी में स्थाई या अस्थाई हैंसियत में काम कर रहे हैं, या किसी काम के लिए विशिष्ट रूप से नियुक्त कर्मचारी हों, जिसमें आक्रिमिक या दैनिक दर पर नियुक्त व्यक्ति शामिल नहीं हैं या लोक-उद्यमों में सेवारत हैं, उनको यह परिवर्तन (अंडरटेकिंग) प्रस्तुत करना होगा उन्होंने लिखित रूप में अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए आवेदन दिया है।

उम्मीदवार को ध्यान रखना चाहिए कि यदि आयोग को उनके नियोक्ता से उनके उक्त परीक्षा के लिए आवेदन करने से परीक्षा में बैठने संबंधी अनुमति रोकते हुए कोई पत्र मिलता है तो उनका आवेदन-पत्र अस्वीकृत कर दिया जाएगा। उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी।

9. उम्मीदवार के आवेदन-पत्र और उसकी प्राप्तता को स्वीकार करने या परीक्षा में प्रवेश आदि के संबंध में आयोग का निर्णय अंतिम होगा। परीक्षा के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवारों को यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि वे परीक्षा में प्रवेश के लिए सभी प्राप्तता शर्तों को पूरा करते हैं। आयोग ने जिस परीक्षा में उन्हें प्रवेश दिया है, उसके प्रत्येक स्तर, अर्थात्—लिखित परीक्षा और साक्षात्कार परीक्षण स्तर पर उनका प्रवेश पूर्णतः अनन्तिम होगा बशर्ते कि वे निर्धारित प्राप्तता शर्तों को पूरा करते हैं। यदि लिखित परीक्षा या साक्षात्कार परीक्षण से पूर्व या बाद में किसी समय सत्यापन करने पर यह पाया जाता है कि वे किसी प्राप्तता शर्त को पूरा नहीं करते हैं, तो आयोग द्वारा परीक्षा के लिए उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी।

10. किसी भी उम्मीदवार को आयोग द्वारा जारी किए गए प्रवेश प्रमाण-पत्र के बिना परीक्षा में नहीं बैठने दिया जाएगा।

11. जो उम्मीदवार निम्नांकित कदाचार का दोषी है या आयोग द्वारा घोषित हो चुकी है :—

- (1) किसी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी का समर्थन प्राप्त करना,
- या
- (2) किसी व्यक्ति के स्थान पर स्वयं प्रस्तुत होना, या
- (3) अपने स्थान पर किसी दूसरे व्यक्ति का प्रस्तुत करना, या
- (4) जाती प्रलेखों या फेरबदल किए गए प्रलेख प्रस्तुत करना,
- या
- (5) अशुद्ध या असत्य वक्तव्य देना या महत्वपूर्ण सूचना छिपा कर रखना, या
- (6) उक्त परीक्षा के लिए अपनी उम्मीदवारी के संबंध में कोई अनियमित या अनुसूचित साधन अपनाना, या
- (7) परीक्षा के समय अनुचित तरीके अपनाना, या
- (8) उच्चर पुस्तिकाओं पर असंगत बातें लिखना जो अश्लील भाषा या अभद्र आशय की हों, या
- (9) परीक्षा भवन में किसी अन्य प्रकार का दुर्ब्यवहार करना,
- या
- (10) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुंचाई हो, या

(11) उम्मीदवारों को परीक्षा देने की अनुमति देते हुए प्रेषित प्रवेश प्रमाण-पत्र के साथ जारी किसी अनुदेश का उल्लंघन किया हो।

(12) ऊपर घंटों में उल्लिखित सभी या कियी भी कार्य को करने का प्रयाम हो या करने के लिए किसी को उकसाया हो तो उस पर आपराधिक अभियोग चलाया जा सकता है और साथ ही :—

(क) वह जिस परीक्षा का उम्मीदवार है उसके लिए आयोग द्वारा, वह अयोग्य ठहराया जा सकता है और/या

(ख) (1) आयोग द्वारा उनको किसी भी परीक्षा या चयन के लिए;

(2) केन्द्र सरकार द्वारा उनके अधीन किसी नियुक्ति के लिए;

(ग) स्थायी रूप से या कुछ अवधि के लिए अपवर्जित किया जा सकता है; और अगर वह पहले से सरकारी नौकरी में हो तो उचित नियमावली के अनुसार अनुशासनिक कार्रवाई का पात्र होगा।

किन्तु शर्त यह है कि इस नियम के अधीन कोई शास्ति तब तक नहीं दी जाएगी जर्वाकि :—

(1) उम्मीदवार इस संबंध में जो लिखित अभ्यावेदन देना चाहे उम्मीदवारों का अवसर उसको न दिया गया हो, और

(2) उम्मीदवार द्वारा अनुमत समय में यदि कोई अभ्यावेदन प्रस्तुत किया गया है, तो उस पर विचार न कर लिया गया हो।

12. जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में आयोग द्वारा स्वयं अपने विवेक से निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त कर लेते हैं, उन्हें आयोग द्वारा व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा।

किन्तु शर्त यह है कि यदि आयोग का यह मत हो कि अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों या अन्य पिछड़ी श्रेणियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए इन जातियों के पर्याप्त उम्मीदवार सामान्य स्तर के आधार पर व्यक्तिगत परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए नहीं बुलाए जा सकते हैं तो आयोग अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों या अन्य पिछड़ी श्रेणियों के उम्मीदवारों को इनके लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए सामान्य स्तर में छूट देकर व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुला सकता है।

13. (1) साक्षात्कार के बाद, परीक्षा में प्रत्येक उम्मीदवार को अंतिम रूप से प्रदान किए गए कुल अंकों के आधार पर आयोग द्वारा उम्मीदवारों को योग्यताक्रम में व्यवस्थित किया जाएगा। तत्पश्चात् आयोग अनारक्षित पदों पर उम्मीदवारों की अनुशंसा हेतु परीक्षा के आधार पर भरी जाने वाली अनारक्षित रिक्तियों के संदर्भ में अर्हक अंक (जो बाद में सामान्य अर्हक मानक कहलाएगा) निर्धारित

करेगा। आरक्षित रिक्तियों पर अ.जा., अ.ज.जा. और अ.पि.व. के आरक्षित वर्गों के उम्मीदवारों को अनुशंसित करने के उद्देश्य से परीक्षा के आधार पर इन प्रत्येक वर्गों के लिए भरी जाने वाली आरक्षित रिक्तियों के संदर्भ में आयोग अर्हक मानक में छूट दे सकता है।

विश्वास कि अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जन-जातियों तथा अन्य पिछड़े वर्गों से संबंधित उम्मीदवार जिन्होंने परीक्षा के किसी भी स्तर पर प्राप्तता या चयन मानदण्ड में किसी भी प्रकार की रियायत या छूट का उपयोग नहीं किया है तथा वे उम्मीदवार जो आयोग द्वारा सामान्य अर्हक मानक के आधार पर अनुशंसा के लिए योग्य पाए गए हैं को अनुसूचित जाति, अनुसूचित जन-जाति तथा अन्य पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षित रिक्तियों के लिए अनुशंसित नहीं किया जाएगा।

(2) सेवा आवंटन के समय, अनारक्षित रिक्तियों के लिए अनुशंसित किए गए अनुसूचित जाति, अनुसूचित जन-जाति तथा अन्य पिछड़े वर्गों से संबंधित उम्मीदवारों को सरकार द्वारा आरक्षित रिक्तियों के तहत समायोजित किया जा सकता है यदि इस प्रक्रिया के जरिये वे अपने अधिमान के क्रम में उच्चतर विकल्प को सेवा को प्राप्त करते हैं।

(3) इन नियम उपर्यांत्रों के तहत अनारक्षित रिक्तियों के लिए नियुक्त हेतु उम्मीदवारों की किसी भी कमी को ध्यान में रखते हुए तथा आरक्षित रिक्तियों के लिए उम्मीदवारों की किसी भी अधिकता के लिए आयोग अर्हक मानकों में और कमी कर सकता है। आयोग उप-नियम (4) एवं (5) में निर्धारित तरीकों से इस बारे में अनुशंसा कर सकता है।

(4) उम्मीदवारों की अनुशंसा करते समय, आयोग प्रथम दृष्टया में सभी वर्गों में रिक्तियों की कुल संख्या का ध्यान रखेगा। अनुशंसित उम्मीदवारों की इस कुल संख्या में से अनुसूचित जाति, अनुसूचित जन-जाति तथा अन्य पिछड़े वर्गों के उन उम्मीदवारों की संख्या को बटाया जाएगा जिन्होंने उपनियम (1) के परन्तु के शर्तों के अनुसार प्राप्तता या चयन मानदण्ड में किसी प्रकार की रियायत या छूट प्राप्त किए बिना योग्यता या निर्धारित सामान्य अर्हक मानक से अधिक योग्यता प्राप्त की है। अनुशंसित उम्मीदवारों की इस सूची के साथ-साथ आयोग उम्मीदवारों की समंकित आरक्षित सूची जारी करेगा जिसमें प्रत्येक वर्गों के अंतर्गत अंतिम अनुशंसित उम्मीदवार के नीचे योग्यता क्रम में रैंक किए गए सामान्य तथा आरक्षित वर्गों के उम्मीदवार शामिल होंगे। इस श्रेणी के उम्मीदवारों की संख्या आरक्षित श्रेणियों के उन उम्मीदवारों की संख्या के बराबर होगी जिन्हें उपनियम (1) के परन्तु के अनुसार पहली सूची में प्राप्तता में या चयन मानदण्ड में बिना किसी छूट या रियायत के शामिल किया गया। आरक्षित वर्गों में से, आरक्षित सूची में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जन-जाति

पिछड़े वर्गों के प्रत्येक उम्मीदवारों की संख्या प्रत्येक वर्गों में प्रारम्भिक रूप से कम की गई रिक्तियों की क्रामिक संख्या के बराबर होगी ।

(5) उपनियम (4) में दिए गए प्रावधानों के अनुसार अनुशंसित उम्मीदवारों को सरकार द्वारा वे सेवाएं आबंटित की जाएंगी जहां कुछ रिक्तियों को अभी भी भरा जाना बाकी है । सरकार आरक्षित सूची में से योग्यता क्रम में प्रत्येक वर्ग में भरी जाने वाली रिक्तियों के प्रयोजन हेतु मांग की गई उम्मीदवारों की संख्या की अनुशंसा करते हुए आयोग को अधियाचना प्रेषित कर सकती है ।

14. शारीरिक रूप से विकलांग उम्मीदवारों हेतु आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए नियम 12 तथा 13 में विनिर्दिष्ट न्यूनतम अर्हक अंकों में आयोग अपने विवेक से छूट दे सकता है ।

बशर्ते कि जहां एक शारीरिक रूप से विकलांग उम्मीदवार सामान्य, या अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन-जाति या अन्य पिछड़े वर्गों के उम्मीदवारों को, के लिए अपेक्षित संख्या में अपनी योग्यता से न्यूनतम अर्हक को अंक प्राप्त कर ले, तब, शारीरिक रूप से विकलांग अतिरिक्त उम्मीदवारों को, अर्थात् उनके लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या से अधिक संख्या में उम्मीदवारों को, आयोग द्वारा शिथिल मानवदंडों के आधार पर अनुशंसित नहीं किया जाएगा ।

15. परीक्षा में बैठे उम्मीदवारों को वैयक्तिक रूप से उनका परीक्षा परिणाम किस प्रकार और किस रूप में सूचित किया जाए उसका निर्णय आयोग स्वयं अपने विवेक से करेगा और परीक्षा परिणाम के संबंध में उनके साथ कोई पत्र व्यवहार नहीं करेगा ।

16. इन नियमों में उल्लिखित अन्य उपबंधों के अधीन सफलता प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों की नियुक्ति पर आयोग द्वारा उनकी योग्यता के क्रम से तैयार की गई सूची और इनके द्वारा अपने आवेदन पत्रों में विभिन्न पदों के लिए बताई गई वरीयता के आधार पर विचार किया जायेगा ।

17. परीक्षा में सफल होने मात्र से नियुक्ति का कोई अधिकार तब तक प्राप्त नहीं होता जब तक आवश्यक पूछताछ के बाद सरकार इस बात से संतुष्ट न हो कि उम्मीदवार अपने चरित्र और पूर्ववृत्त के आधार पर उक्त सेवा में नियुक्ति के लिए सर्वथा उपयुक्त है । उम्मीदवार की नियुक्ति के लिए यह भी एक शर्त होगी कि उसके अनिवार्य रोटेटिंग इंटर्नशिप सफलतापूर्वक पूरी कर लेने के संबंध में नियुक्ति प्राधिकारी संतुष्ट हो ।

18. उम्मीदवार को मन और शरीर से स्वस्थ्य होना चाहिए और उसमें ऐसी कोई भी शारीरिक कमी नहीं होनी चाहिए जो उक्त सेवा के अधिकारी के रूप में कार्य करने में बाधक सिद्ध हो सके । सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी जैसी भी स्थिति हो द्वारा निर्धारित इस प्रकार की शारीरिक परीक्षा में जो उम्मीदवार इन अपेक्षाओं की पूर्ण नहीं कर पाता है, उसकी नियुक्ति नहीं होगी ।

उम्मीदवारों की चिकित्सा परीक्षा दो भागों ( भाग-1 और भाग-2 ) में होगी । सभी उम्मीदवार जो परीक्षा के लिखित भाग के आधार पर साक्षात्कार/व्यक्तित्व परीक्षण के लिए अर्हता प्राप्त कर लेते हैं उन्हें

सामान्यतः संबंधित उम्मीदवार के साक्षात्कार/व्यक्तित्व परीक्षण के दिन के तत्काल बाद अगले कार्य दिवस को चिकित्सा परीक्षा का भाग-1 करवाना होगा ( शनिवार, रविवार व अवकाश के दिनों में चिकित्सा परीक्षा नहीं होगी ) । जो उम्मीदवार परीक्षा के परिणाम में अन्तिम रूप से सफल घोषित किए जाते हैं उन्हें चिकित्सा परीक्षा का भाग-2 करवाना होगा । चिकित्सा परीक्षा का प्रबन्ध स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ( केन्द्रीय स्वास्थ्य योजना 1 अनुभाग ) निर्माण भवन, दिल्ली द्वारा किया जाएगा तथा संबंधित मंत्रालय द्वारा उम्मीदवार को इसकी सूचना दे दी जाएगी । यदि किसी उम्मीदवार को अपने स्वास्थ्य परीक्षा के बारे में कोई सुचना नहीं मिलती है तो उसे अपना साक्षात्कार व्यक्तित्व परीक्षण पूरा होने के तत्काल पश्चात् स्वास्थ्य तथा परिवार कल्याण मंत्रालय में संबंधित अधिकारी से व्यक्तिगत रूप से संपर्क करना चाहिए । संबंधित उम्मीदवार को अपनी स्वास्थ्य परीक्षा के पूरा होने तक दिल्ली में ठहरना होगा । इसलिए उम्मीदवार को इस तथ्य को ध्यान में रखना चाहिए तथा स्वास्थ्य परीक्षा की औपचारिकता को पूरा करने के लिए दिल्ली में अपने रहने की व्यवस्था का प्रबंध कर लेना चाहिए । स्वास्थ्य परीक्षा के लिए निर्धारित की गई तारीख को किसी भी परिस्थिति में बढ़ाया/बदला नहीं जाएगा, इसके साथ-साथ स्वास्थ्य परीक्षा की औपचारिकता को पूरा करने के लिए संबंधित उम्मीदवार को कोई यात्रा भत्ता/दैनिक भत्ता नहीं दिया जाएगा ।

19. शारीरिक रूप से अक्षम व्यक्तियों को उनके लिए आरक्षित रिक्तियों पर विचार किए जाने के लिए उनकी अक्षमता चालीस प्रतिशत ( 40% ) या उससे अधिक होनी चाहिए । तथापि ऐसे उम्मीदवारों से निम्नलिखित शारीरिक अपेक्षाओं/क्षमताओं में से एक या अधिक जो संबंधित सेवाओं/पदों में कार्य निष्पादन हेतु आवश्यक हो, पूरी करने की अपेक्षा की जाएगी ।

कोड	शारीरिक अपेक्षाएं
एफ (F)	1. हस्तकौशल ( अंगुलियों से ) द्वारा निष्पादित किए जाने वाले कार्य ।
पीपी (PP)	2. खींच कर तथा धक्के द्वारा किए जाने वाले कार्य ।
एल (L)	3. उठाकर किए जाने वाले कार्य ।
केसी (KC)	4. घुटने के बल बैठकर तथा क्राउंचिंग द्वारा किए जाने वाले कार्य ।
बी (B)	5. झुककर किए जाने वाले कार्य ।
एस (S)	6. बैठकर ( बैंच या कुर्सी पर ) किए जाने वाले कार्य ।
एस टी (ST)	7. खड़े होकर किए जाने वाले कार्य ।
डब्ल्यू (W)	8. चलते हुए किए जाने वाले कार्य ।
एसई (SE)	9. देखकर किए जाने वाले कार्य ।
एच (H)	10. सुनकर/बोलकर किए जाने वाले कार्य ।
आर डब्ल्यू (RW)	11. पढ़कर तथा लिखकर किए जाने वाले कार्य ।

संबंधित सेवाओं/पदों की अपेक्षाओं के अनुरूप उनके मामलों में कार्यात्मक वर्गीकरण निम्नलिखित में से एक या अधिक होगा :—

### कार्यात्मक वर्गीकरण

कोड	कार्य
बी एल (BL)	1. दोनों पैर खराब लेकिन भुजाएं नहीं।
बी ए (BA)	2. दोनों भुजाएं खराब—क. दुर्बल पहुंच ख. पकड़ की दुर्बलता।
बी एल ए (BLA)	3. दोनों पैर तथा दोनों भुजाएं खराब।
ओ एल (OL)	4. एक पैर खराब (दायां या बायां) — क. दुर्बल पहुंच ख. पकड़ की दुर्बलता ग. ऐटेक्सिक।
ओ ए (OA)	5. एक भुजा खराब (दाईं या बाईं) — बही—।
बी एच (BH)	6. सख्त पीठ तथा कुल्हे (बैठ या झूक नहीं सकते)।
एम डब्ल्यू (MW)	7. मांसपेशीय दुर्बलता तथा सीमित शारीरिक सहनशक्ति।
बी (B)	8. नेत्रहीन।
पी बी (PB)	9. आंशिक नेत्रहीन।
डी (D)	10. बधिर।
पी डी (PD)	11. आंशिक बधिर।
ओ. एल. एण्ड पी (OD)	12. एक पैर खराब और आंशिक भुजा खराब। 20. कोई व्यक्ति :—

(क) जो किसी ऐसे व्यक्ति के साथ जिसका पति या पत्नी जीवित है, वैवाहिक संबंध बना लेता है या इस संबंध में करार कर लेता है, या  
(ख) पति या पत्नी के जीवित होते हुए, किसी दूसरे व्यक्ति से वैवाहिक संबंध बना लेता है या इस संबंध में कोई करार कर लेता है।

इस सेवा में नियुक्ति का मात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से संतुष्ट है कि इस प्रकार का विवाह उस व्यक्ति और विवाह से संबद्ध दूसरे व्यक्ति पर लागू वैयक्तिक कानून के अनुसार स्वीकार्य है और ऐसा करने के और भी आधार मौजूद हैं तो किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकती है।

21. इस परीक्षा के माध्यम से जिन सेवाओं/पदों में भर्ती की जानी है उनका संक्षिप्त विवरण परिशिष्ट-II में दिया गया है।

### परिशिष्ट-II

1. परीक्षा की योजना : इस परीक्षा में निम्नलिखित का समावेश होगा :—

(क) लिखित परीक्षा :—उम्मीदवार दो-दो घंटे की अवधि के निर्मार्गित दो प्रश्न-पत्रों में परीक्षा देगा। ये प्रत्येक

अधिकतम 200 अंकों के होंगे। दोनों प्रश्न पत्रों में ऐसे प्रश्न होंगे जिसमें विभिन्न विषयों के अंकों का प्रतिशत निम्न प्रकार होगा :—

### प्रश्न पत्र (कोड सं. 1)

अंकों का प्रतिशत

(1) सामान्य आयुर्विज्ञान जिसमें हृदय रोग विज्ञान, तांत्रिक विज्ञान, त्वचा-रोग विज्ञान और मनोरोग विज्ञान सम्मिलित हैं। 60 प्रतिशत

(2) शल्य विज्ञान जिसमें कर्ण, नासिका कंठ, नेत्र विज्ञान, अंभधात विज्ञान और विकलांग विज्ञान सम्मिलित हैं। 40 प्रतिशत

### प्रश्न पत्र 2 (कोड सं. 2)

20 प्रतिशत

(1) शिशु रोग विज्ञान 40 प्रतिशत

(2) स्त्री रोग विज्ञान तथा प्रसूति विज्ञान 40 प्रतिशत

(3) निरोधक सामाजिक तथा सामुदायिक आयुर्विज्ञान 40 प्रतिशत

(ख) लिखित परीक्षा में अर्हता प्राप्त उम्मीदवारों की व्यक्तित्व परीक्षा 200 अंक

2. दोनों प्रश्न-पत्रों में परीक्षा पूर्णतया वस्तुप्रक प्रकार (बहुविकल्प प्रकार के उत्तर) की होगी प्रश्न-पत्र (परीक्षण पुस्तिकाएं) केवल अंग्रेजी में ही तैयार किए जाएंगे।

3. उम्मीदवारों को पेपरों पर अपने ही हाथ से लिखना चाहिए। किसी भी परिस्थिति में उनके लिए उत्तर लिखने के लिए किसी अन्य व्यक्ति की सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

4. आयोग अपने विवेक से परीक्षा के लिए किसी अथवा दोनों पेपरों के अर्हक अंक नियत कर सकता है।

5. उम्मीदवारों को वस्तुप्रक प्रश्न-पत्रों (परीक्षण पुस्तिकाओं) का उत्तर देने के लिए कैल्कुलेटरों के प्रयोग की अनुमति नहीं है, अतः उन्हें कैल्कुलेटर परीक्षा भवन के अन्दर नहीं लाना चाहिए।

6. व्यक्तित्व परीक्षण के लिए होने वाला साक्षात्कार लिखित परीक्षा के अनुप्रूप के रूप में होगा जिसका उद्देश्य उम्मीदवारों के अध्ययन के विशिष्ट क्षेत्र में, उनकी सामान्य जानकारी और सक्षमता की परीक्षा करना होता है और साथ-साथ जैसा किसी व्यक्तित्व परीक्षा में होता है उम्मीदवारों की बौद्धिक जिज्ञासा समीक्षात्मक सूझ-बूझ की शक्ति, संतुलित विवेचन शीलता, मानसिक जागरूकता, सामाजिक सामंजस्य की क्षमता, चारित्रिक सत्यनिष्ठा, स्वतः प्रेरणा और नेतृत्व की योग्यता का भी मूल्यांकन किया जाना है।

### परिशिष्ट-II

इस परीक्षा के माध्यम से जिन सेवाओं में भर्ती की जा रही हैं, उनके संक्षिप्त विवरण नीचे दिए गए हैं :—

#### 1. रेलवे में सहायक प्रभागीय चिकित्सा अधिकारी

(क) पद मुप्त 'क' में है। पद का वेतनमान रुपए 8000-275-13500 (संशोधित वेतनमान) है। इसके अलावा समय-

(ख) उम्मीदवार को एक वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर नियुक्त किया जाएगा जिसे सरकार द्वारा आवश्यक समझे जाने पर आगे और बढ़ाया जा सकता है। परिवीक्षा अवधि संतोषजनक ढंग से पूरा होने पर उम्मीदवार भारतीय रेल चिकित्सा सेवा के कनिष्ठ वेतनमान में पुष्ट होतु पात्र हो जाएंगे।

(ग) परिवीक्षा की अवधि के दौरान परिवीक्षाधीन अधिकारियों की नियुक्ति भारतीय रेल स्थापन कोड, खण्ड-1 के नियम 301(3) की शर्तों के अनुसार दोनों पक्षों में से किसी भी पक्ष की ओर से एक महीने का लिखित नोटिस देकर समाप्त की जा सकती है। किन्तु इस प्रकार के नोटिस की आवश्यकता संविधान के अनुच्छेद 311 के खण्ड (2) के उपबंधों के अनुसार अनुशासनिक कार्रवाई के कारण सेवा में बर्खास्तगी या सेवा से हटाए जाने या मानसिक अथवा शारीरिक अशक्तता के कारण की जाने वाली अनिवार्य सेवानिवृत्ति के मामलों में नहीं होगी।

(घ) उम्मीदवार को रेल मंत्रालय द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा और सभी विभागीय परीक्षाओं में उत्तीर्ण होना पड़ेगा।

(ङ) उम्मीदवार 01-01-2004 से लागू सरकार के आदेशानुसार अंशादायी पेंशन पद्धति द्वारा नियंत्रित होगा।

(च) उम्मीदवार उर्फ़ के स्तर के अन्य अधिकारियों पर समय-समय पर लागू छुट्टी के नियमों के अनुसार छुट्टी के हकदार होंगे।

(छ) उम्मीदवार समय-समय पर प्रवर्तित नियमों के अनुसार सारांश निःशुल्क रेलवे पास और विशेष टिकट आदेशों का अधिकारी होगा।

(ज) उम्मीदवारों को परिवीक्षा की अवधि के दौरान अनुमोदित स्तर की हिन्दी की परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी, और यदि वह परीक्षा पास नहीं करता है तो उनकी सेवा समाप्त की जा सकती है।

(झ) नियमानुसार, उपयुक्त पद पर नियुक्त प्रत्येक व्यक्ति को अपेक्षित होने पर किसी रक्षा सेवा में या भारत की रक्षा से संबंधित किसी पद पर कम से कम चार वर्ष की अवधि के लिए काम करना पड़ सकता है जिसमें कि प्रशिक्षण पर, व्यतीत अवधि शामिल है :

परन्तु उस व्यक्ति को :—

(क) नियुक्त की तारीख से 10 वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(ख) सामान्यतः 45 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(ज) संगणीनीय सेवा-जो व्यक्ति इन नियमों के अधीन उन पदों पर नियुक्त होते हैं जिन पर नियमावली 45 का रेलवे

सेवा (पेंशन) नियम, 1993 में निर्धारित शर्त लागू होती है, के डस नियम में निहित उपबन्धों के लाभ के पात्र होंगे।

(ट) जो बातें ऊपर विविध रूप से कहीं गई हैं, उनमें और अन्य मामलों में उम्मीदवार भारतीय रेलवे स्थापना संहिता और समय-समय पर परिशोधित/परिवर्तित नियमों के अधीन कार्य करेगा।

(ठ) प्रारम्भ में उम्मीदवार को पार्श्वस्थ स्टेशनों के सहायक प्रभागीय चिकित्सा अधिकारियों को किसी भी रेलवे में स्थानांतरित किया जा सकता है।

(ड) उच्चतर ग्रेडों में वेतनमान और भत्तों सहित पदोन्नति के अवसर :

- (१) ऐसे सहायक प्रभागीय चिकित्सा अधिकारी जिन्होंने उक्त ग्रेड में नियमित नियुक्ति के बाद चार वर्ष की सेवा कर ली है, प्रभागीय चिकित्सा अधिकारी (वरिष्ठ वेतनमान रु. 10,000-15,000) के पदों पर पदोन्नति के तथा ऊपर (अ) में दिए गए प्रतिबंधित प्रैक्टिस बंदी भत्ते के पात्र हैं।
- (२) ऐसे प्रभागीय चिकित्सा अधिकारी/वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी जिन्होंने उक्त ग्रेड में नियमित नियुक्ति के बाद 6 वर्ष की सेवा पूरी कर ली है अथवा सहायक प्रभागीय चिकित्सा अधिकारी तथा प्रभागीय चिकित्सा अधिकारी/वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के रूप में 10 वर्ष की नियमित सेवा (जिसमें कम से कम दो वर्ष की नियमित सेवा प्रभागीय चिकित्सा, अधिकारी/वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के रूप में हो) पूरी कर ली है, वे चिकित्सा अधीक्षकों के पद पर 12,000-16,500 रु. के वेतनमान में पदोन्नति के तथा मूल वेतन का 25 प्रतिशत प्रैक्टिस बंदी भत्ते के हकदार हैं।
- (३) जैसा कि समय-समय पर निर्धारित किया जाता है चिकित्सा अधीक्षक, रु. 12,000-16,500 के ग्रेड में सेवा वर्षों की संख्या के आधार पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी (वेतनमान रु. 18,400-22,400) के पद पर पदोन्नति के तथा मूल वेतन का 25 प्रतिशत प्रैक्टिस बंदी भत्ते के पात्र हैं।

(इ) कर्तव्य और दायित्व

सहायक प्रभागीय चिकित्सा अधिकारी :

- (१) वह प्रतिदिन और आवश्यक होने पर भीतरी बांडें और बाहरी चिकित्सा विभाग का काम देखेगा।
- (२) वह लागू विनियमों के अनुसार उम्मीदवार और सेवारत कर्मचारियों की शारीरिक परीक्षा करेगा।
- (३) वह अपने अधिकारी क्षेत्र में परिवार, नियोजन, लोक स्वस्थ और स्वच्छता का काम देखेगा।

- (4) वह समान विक्रेताओं की जांच करेगा।
- (5) वह अस्पताल के कर्मचारियों में अनुशासन और कर्तव्य पालन के लिए उत्तरदायी होगा।
- (6) वह अपनी विशेषज्ञता से सम्बद्ध कार्य, यदि कोई हो, करेगा और अपनी विशेषज्ञता से संबंधित विवरणियां और मांग पत्र तैयार करेगा।
- (7) वह सभी उपस्करों का रख-रखाव और देखभाल अपने प्रभार में रखेगा।

टिप्पणी 1 : जब सहा. प्र. चि. अ. किसी प्रभाग के मुख्यालय में प्रभागीय चिकित्सा अधिकारी के प्रभार के अधीन नियुक्त किया जाता है तो वह प्रभागीय चिकित्सा के सभी कर्तव्यों में उसे सहायता देगा किन्तु विशेष रूप से उसको कुछ कार्य और दायित्व भी सौंपे जा सकते हैं।

टिप्पणी 2 : सहा. प्र. चि. अ. को समय-समय पर सौंपे गए अन्य कर्तव्य भी निभाने होंगे।

## 2. रक्षा मंत्रालय के अन्तर्गत भारतीय आयुध कारखाना स्वास्थ्य सेवा में सहायक चिकित्सा अधिकारी के पद :—

(क) पद ग्रुप 'क' में अस्थायी किन्तु यथावधि स्थायी किया जा सकता है। वेतनमान रुपए 8000-275-13,500 है तथा साथ में समय-समय पर लागू आदेशों के अनुसार प्रैक्टिस बंधी भत्ता (प्र.बं.भ.) इस समय दर निम्नलिखित मूल वेतन का 25 प्रतिशत है।

(ख) उम्मीदवार नियुक्ति की तारीख से दो वर्ष तक परिवीक्षा, पर रखा जाएगा। यह अवधि सक्षम प्राधिकारी के विवेक पर घटाई या बढ़ाई जा सकती है। परिवीक्षा अवधि संतोषजनक ढंग से समाप्त करने पर उन्हें स्थाई रिक्ति पर अस्थायी किए जाने पर अस्थाई हैसियत से चलाया जाएगा।

(ग) उम्मीदवार को भारत में कहीं भी किसी आयुध कारखाना, अस्पताल या औपधालय में नियुक्त किया जा सकता है।

(घ) किसी भी प्रकार की निजी प्रैक्टिस करना मना है।

(ङ) परिवीक्षा की अवधि में और इसके बाद अस्थायी नियुक्ति के दौरान दोनों तरफ से एक महीने का नोटिस देकर नियुक्ति को समाप्त किया जा सकता है। सरकार को नोटिस के बदले एक महीने का वेतन देने का अधिकार होगा।

(च) उच्चतर ग्रेडों के वेतनमान और भत्तों सहित पदोन्नति के अवसर भारतीय आयुध कारखाना स्वास्थ्य सेवा नियमावली 2001 तथा सरकार द्वारा समय-समय पर जारी आदेशों एवं अनुदेशों के अनुसार होंगा।

(छ) कार्यस्वरूप :— (1) सहायक चिकित्सा अधिकारी :—

(i) वे प्रतिदिन और आवश्यक होने पर अस्पताल के बाईं/विभागों के अंतर्गत रोगियों और औपधालय/बहिरंग विभागों के रोगियों को देखेंगे।

- (ii) वे नियमों के अनुसार कर्मचारियों और नोकरी के लिए आने वाले उम्मीदवारों की स्वास्थ्य की परीक्षा करेंगे।
- (iii) वे सभी उपस्करों का रख-रखाव और देखभाल अपने प्रभार में रखेंगे।
- (iv) वे अस्पताल और औपधालय के कर्मचारियों के प्रशिक्षण, अनुशासन और कर्तव्य पालन के लिए उत्तरदायी होंगे।
- (v) वे नियमानुसार प्रभारी चिकित्सा अधिकारी द्वारा सौंपे गए अन्य कार्य भी करेंगे।
- (2) बी.डी.ओ. ग्रेड—सहायक निदेशक, स्वास्थ्य सेवाएं और वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी :—
- (क) मुख्यालय में पदस्थ स्वास्थ्य सेवा सहायक निदेशक को निदेशक स्वा. से./अपर निदेशक स्वा. से./उप.नि.स्वा. से. के निदेश पर चिकित्सा संबंधी सभी विषयों में कर्तव्य निभाने में उनकी सहायता करेगा।
- (ख) अनुभाग अधिकारी के रूप में चिकित्सा अनुभाग को दैनंदिनी कार्य में वह स्वा. से.नि./अपर निदेशक स्वास्थ्य सेवा/स्वा.स.उ.नि. की सहायता करेगा।
- (ग) समय-समय पर स्वा.से.नि./अपर निदेशक स्वास्थ्य सेवा, स्वा. स.उ.नि. द्वारा सौंपे गए दूसरे कार्य भी उसको करने होंगे।
- (घ) चिकित्सा भंडार और उपस्कर से संबंधित सभी प्रश्नों का समाधान करने में वह स्वा.से.नि. की सहायता करेगा।
- (ङ) नियमानुसार कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए चिकित्सा का प्रबंध करेंगे।
- (च) वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी अन्तर्गत बाईं, फैक्ट्री हैल्थ क्लिनिक, ऐस्टेट क्लिनिक, ओ.पी.डी. के रोगियों की देखभाल करेंगे तथा ऐसे अन्य कर्तव्यों का पालन करेंगे जो उन्हें अस्पताल के प्रधान चिकित्सा अधिकारी और प्रभारी वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी द्वारा सौंपे जाएंगे।
- (3) उप निदेशक, स्वास्थ्य सेवा और प्रधान चिकित्सा अधिकारी :—
- (क) मुख्यालय में पदस्थ स्वा.से. उप-निदेशक/स्वा.से. निदेशक/अपर स्वास्थ्य सेवा निदेशक के द्वारा निर्दिष्ट उनके सभी कार्यों में उसकी सहायता करेगा।
- (ख) प्र.चि.अ. वरिष्ठ—प्र.चि.अ. किसी कारखाना अस्पताल और वहां की चिकित्सा स्थापना का प्रभारी चिकित्सा अधिकारी रहेगा।
- (ग) प्रभारी चिकित्सा अधिकारी के रूप में चिकित्सा संबंधी सभी मामलों में कारखाना महाप्रबंधक के मलाहकार रहेंगे और आवश्यक अनुशंसा करते रहेंगे।
- (घ) नियमानुसार वे कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए चिकित्सा का प्रबंध करेंगे।

( ड ) किसी संविधि या सरकारी आदेश में निहित या स्वास्थ्य सेवा निदेशक द्वारा सौंपे गए कार्य भी करेंगे ।

( च ) प्रधान चिकित्सा अधिकारी अंतर्रांग बांडें, फैक्ट्री हैल्थ क्लिनिक, इस्टेट हैल्थ क्लिनिक, ओ.पी.डी. में काम करने के साथ-साथ ऐसे अन्य कार्य भी करेंगे जो उन्हें अस्पताल के प्रभारी प्रधान चिकित्सा अधिकारी द्वारा सौंपे जाएंगे ।

( ४ ) अपर निदेशक, स्वास्थ्य सेवाएँ :—

( क ) निदेशक, स्वास्थ्य सेवा अपर निदेशक स्वास्थ्य सेवा की कार्य करने में, उनके निदेशानुसार उनकी सहायता करेगा ।

( ख ) निदेशक स्वास्थ्य सेवा के छुट्टी पर रहने या दौरे आदि पर जाने में उनकी अनुपस्थिति में डी.जी.ओ.एफ. के आदेशानुसार अपर निदेशक, स्वास्थ्य सेवा, निदेशक स्वास्थ्य सेवा के रूप में कार्य करेंगे ।

( ५ ) मुख्य चिकित्सा अधिकारी :—

( क ) उस पर कारखाना स्वास्थ्य संगठन तथा परिवार कल्याण केन्द्र सहित विशेषज्ञता केन्द्रों वाले आयुध कारखाना अस्पतालों के प्रशासन का सम्पूर्ण उत्तरदायित्व होगा ।

( ख ) महाप्रबन्धक को चिकित्सा, स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं व्यावसायिक स्वास्थ्य मामलों पर सलाह देता है ।

( ग ) चिकित्सा संस्थापनाओं के कार्यों की योजना बनाता है, कार्यों को सुव्यवस्थित कर मॉनीटर करता है तथा प्रगति की समीक्षा करता है ।

( घ ) उच्चाधिकारियों द्वारा समय-समय पर जारी किए जाने वाले आदेशों, अनुदेशों तथा विनियमों के अनुसार अस्पताल-सेवाओं को संगठित करता है ।

( ङ ) मरीजों, कारखानों प्रबन्धकों, वैधानिक प्राधिकारियों तथा समुदाय की व्यक्ति एवं अन्तर्रिहित आवश्यकताओं और अपेक्षाओं, शिकायतों एवं सुझावों का पता लगाता है तथा जहां कहीं संभव हो, इनकी पूर्ति करने के लिए स्वास्थ्य सेवाएं सुव्यवस्थित करता है ।

( च ) यह सुनिश्चित करता है कि चिकित्सा संस्थापनाओं को आबंटित सभी संसाधनों का पूर्ण एवं श्रेष्ठतम उपयोग हो तथा कार्य-संचालन में मितव्ययिता अपनाता है ।

( छ ) वह ऐसे अन्य कार्यों का निष्पादन करेंगे जो सरकारी आदेशों की संविधि के अंतर्गत निर्धारित किए गए अथवा डी.एच.एस. द्वारा उसे सौंपे गए हों ।

( ६ ) निदेशक, स्वास्थ्य सेवा :—

( क ) चिकित्सा और स्वास्थ्य संबंधी सभी मामलों में कारखाना महानिदेशक का चिकित्सा सलाहकार-व्यावसायिक और प्राविधिक समस्त मामलों में कारखाना महानिदेशक संगठन की चिकित्सा स्थापना का नियंत्रण प्राधिकारी-कारखाना महानिदेशक द्वारा प्रदत्त सभी प्रशासनिक अधिकारों का वह उपयोग करेगा ।

( ख ) सरकार द्वारा स्वीकृत प्रतिवेदनों/अनुशंसाओं का कार्यान्वयन करने के लिए वह योजनाएं तैयार करेंगे ।

( ग ) नियंत्रण प्राधिकारी के रूप में वह आवश्यकतानुसार कारखानों में कर्मचारियों का वितरण करेंगे ।

( च ) संघ लोक सेवा आयोग समान्यतः कारखाना महानिदेशक का प्रतिनिधित्व करेंगे ।

( छ ) समान्यतः वर्ष में एक बार वह सभी कारखानों का निरीक्षण करेंगे या करा लेंगे और चिकित्सा स्थापना से संबंधित सभी मामलों में चिकित्सा प्रतिष्ठानों की कार्यविधि के संबंध में कारखाना महानिदेशक को प्रतिवेदन भेजेंगे ।

( च ) वे स्वास्थ्य सेवा अपर निदेशक की वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट लिखेंगे और भारतीय आयुध कारखाना स्वास्थ्य सेवा के सभी एस.ए. ग्रेड जे.ए.जी. (एन.एफ.एस.जी.) और जे.ए.जी. (ओ.जी.) अधिकारियों की रिपोर्ट की पुनरीक्षा करेंगे ।

### III. केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के अधीन कनिष्ठ वेतनमान के पद

( क ) पद अस्थायी हैं किन्तु अनिश्चितकाल तक चल सकते हैं। उम्मीदवारों को कनिष्ठ युप 'क' वेतनमान में नियुक्त किया जाएगा और नियुक्ति की तारीख से दो वर्ष की अवधि तक वे परिवेक्षा के अधीन रहेंगे। वह अवधि सक्षम प्राधिकारी के विवेक से घटाई या बढ़ाई जा सकती है। परिवेक्षा की अवधि की संतोषजनक समाप्ति के बाद उनको स्थायी बनाया जायेगा।

( ख ) उम्मीदवार को केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा में सम्मिलित किसी भी संगठन के अधीन किसी भी औषधालय या अस्पताल में भारत में कहीं भी नियुक्त किया जा सकता है, अर्थात दिल्ली, बंगलौर, बम्बई, मेरठ आदि लक्ष्यदीप, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह, डाक-तार विभाग आदि। प्रयोगशाला और परामर्श सेवा सहित किसी भी प्रकार की निजी प्रैक्टिस निषिद्ध है।

( ग ) केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवाओं के चिकित्सा अधिकारी को रु. 8,000-275-13,500 का वेतनमान देय होगा। प्रैक्टिस बंदी भत्ता, मकान किराया भत्ता आदि जैसे अन्य भत्ते और प्रोन्ति के अवसर केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा नियमावली, 1996 के उपबंध तथा समय-समय पर जारी सरकार के आदेशों और निर्देशों के अनुसार दिए जाएंगे।

### IV. चिकित्सा अधिकारी, दिल्ली नगर निगम

( १ ) वर्ग 'क' का उक्त पद अस्थायी है किन्तु यथाशीघ्र स्थायी हो सकता है। वेतनमान रु. 8,000-275-13,500 तथा साथ में समय-समय पर लागू आदेशों के अनुसार प्रतिबंधित भत्ता (एन.पी.ए.) ।

( २ ) उम्मीदवार नियुक्ति की तारीख से एक वर्ष की अवधि तक परिवेक्षाधीन रहेगा। यह अवधि सक्षम प्राधिकारी के विवेक पर घटाई

या बढ़ाई जा सकती है। परिवीक्षाधीन अवधि के संतोषजनक समाप्ति पर वह तब तक अस्थायी पर रहेगा जब तक स्थायी रिक्ति पर स्थायी नहीं किया जाता है।

(3) उम्मीदवार की नियुक्ति दिल्ली नगर निगम के अधिकार क्षेत्र के अन्तर्गत कहीं भी किसी अस्पताल/डिस्पैसरी मात्र और शिशु कल्याण तथा परिवार कल्याण केन्द्र/प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र आदि में को जा सकती है।

(4) किसी भी प्रकार निजी प्रैक्टिस करना मना है।

(5) परिवीक्षा तथा उसके बाद अस्थायी हैसियत से नियोजन अवधि के दौरान किसी भी तरफ से एक महीने का नोटिस देकर नियुक्ति समाप्त की जा सकती है। दिल्ली नगर निगम को नोटिस के बदले एक महीने का बेतन देने का अधिकार है।

उच्चर ग्रेडों में पदोन्नति की संभावनाएँ जिनमें बेतनमान तथा भर्ते सम्मिलित हैं, भर्ती विविधमों के उपबंधों के अनुसार होंगे।

बी. पी. शर्मा, संयुक्त सचिव

## MINISTRY OF HEALTH AND

### FAMILY WELFARE

#### (Department of Health)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 21st August, 2004

### RULES

**No. A. 12011/2/2004-CHS-I.**— The rules for a Competitive Examination—Combined Medical Services Examination—to be held by the Union Public Service Commission in 2005 for the purpose of filling vacancies in the following services/posts are with the concurrence of the Ministries/Departments concerned and the Municipal Corporation of Delhi, published for general information.—

- (i) Assistant Divisional Medical Officer in the Railways.
- (ii) Junior Scale Posts in Indian Ordnance Factories Health Service.
- (iii) Junior Scale Posts in Central Health Service.
- (iv) Medical Officer in the Municipal Corporation of Delhi.

1. The examination will be conducted by the Union Public Service Commission in the manner prescribed in Appendix I to these Rules.

The date(s) on which and the place(s) at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

2. A candidate may compete in respect of any one or more of the services/posts mentioned above. A candidate who qualifies on the results of the written part of the examination will be required to indicate clearly in the detailed application form the services/posts for which he wishes to be considered in the order of preferences. The candidate is advised to indicate as many preferences as he wishes to so that having regard to his rank in order of merit due consideration can be given to his preferences when making appointment.

**N.B.** (i) Candidate for the posts of Asst. Divisional Medical Officer in the Railways will also be required to give their option in the detailed application form for Zonal Railways in order of preference. While making their allocation to the various Zonal Railways these preferences shall be taken into consideration but it does not mean that the candidate shall be allocated to one of these Zonal Railways only. As the service is meant to cover the entire country, a candidate is transferable to any Zone of the Indian Railways.

**N.B.** (ii) No request for addition/alteration in the preferences already indicated by a candidate in the detailed application form will be entertained by the Commission.

3. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission.

Reservation will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes, the Other Backward Classes and Physically disabled categories in respect of vacancies as may be fixed by the Government.

4. a candidate be either:

- (i) a Citizen of India, or
- (ii) a subject of Nepal, or
- (iii) a subject of Bhutan, or
- (iv) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962 with the intention of permanently setting in India, or
- (v) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka or East African Countries of Kenya, Uganda, The United Republic of Tanzania, Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia or from Vietnam with the intention of permanently setting in India;

Provided that a candidate belonging to categories (ii), (iii), (iv) and (v) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary, may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India.

5. (a) A candidate for this examination must not have attained the age of 32 years as on 1st January, 2005 i.e. he must have been born not earlier than 2nd January, 1973

(b) The upper age limit is relaxable as follows:

- (i) upto a maximum of five years a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe.
- (ii) upto a maximum of three years in the case of candidate belonging to Other Backward Classes who are eligible to reservation applicable to such candidates.
- (iii) upto a maximum of five years if a candidate has ordinarily been domiciled in the State of Jammu and Kashmir during the period from the 1st January, 1980 to the 31st day of December, 1989.
- (iv) upto a maximum of three years in the case of Defence Services Personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof.
- (v) upto a maximum of five years in the case of Ex-Servicemen including Commissioned Officers and ECOs/SSCOs who have rendered at least five years Military Service as on 1st January, 2005 and have been released (i) on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within one year from 1st January, 2005 otherwise than by ways of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency), or (ii) on account of physical disability attributable to Military Service or (iii) on invalidment.
- (vi) upto a maximum of five years in the case of ECOs/SSCOs who have completed as initial period of assignment of five years of Military Service as on 1st January, 2005 and whose assignments has been extended beyond five years and in whose case the Ministry of Defence issues a certificate that they can apply for Civil Employment and that they will be released on three month's notice on selection from the date of receipt of offer of appointment.
- (vii) upto a maximum of ten years in the case of blind, deaf-mute and orthopedically handicapped candidates.

(viii) The ad hoc Doctors appointment after 1-10-1984 in the Ministry of Railways will be granted relaxation in the age to extent of the period of service rendered by them as ad hoc Doctors in Railways in the light of the Supreme Court's orders dated the 24th September, 1987 on the Writ Petitions (Nos. 822, 875, 180 and 200 of 1987 with Nos. 370, 298, and 73 of 1987 with Nos. 1165, 1328, 1619, 1735, 1275, 1457, 1087, 1034, 1263, 1294, 1327, 1349, 1370, 1353, 1400, 1451, 1504, 1564, 1650 and 1609 of 1986 and with No. 845 of 1986) filed by some ad hoc Doctors of the Railways. The ad hoc Doctors claiming the relaxable in upper age limit under this provision should submit their application for admission to the examination through the Ministry of Railways who will certify that the applicants are covered by the orders of the Supreme Court.

Note. I.— Candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes and the Other Backward Classes who are also covered under any other clauses of Rule 5(b) above, viz. those coming under the category of Ex-servicemen, persons domiciled in the State J&K, physically handicapped etc. will be eligible for grant of cumulative age-relaxation under both the categories.

Note. II.— The term Ex-Servicemen will apply to the persons who are defined as Ex-servicemen in the Ex-servicemen (Re-employment in Civil Services and Posts) Rule 1979, as amended from time to time.

Note. III.— The age concession under Rule 5(b) and (vi) will not be admissible to Ex-servicemen and Commissioned Officers including ECOs/SSCOs, who are released on their own requests.

Note. IV.— Notwithstanding the provision of age relaxation under Rule 5(b) (vii) above, a physically handicapped candidate will be considered to be eligible for appointment only if he/she after such physical examination as (the Government or appointment authority, as the case may be, may prescribe) is found to satisfy the requirements of physical and medical standards for the concerned Services/Posts to be allocated to the physically handicapped candidates by the Government.

**SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS  
PRESCRIBED CAN IN NO  
CASE BE RELAXED**

The date of birth accepted by the Commission is that entered in the Matriculation or Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University which extract must be certified by the proper authority of the University or in the Higher Secondary or an equivalent examination certificate.

No other document relating to age like horoscopes, affidavits, birth extracts from Municipal Corporation, Service records and the like will be accepted.

The Expression Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate in this Part of the instructions include the alternative certificates mentioned above.

**Note 1** : Candidates should note that only the date of birth as recorded in the Matriculation/ Secondary Examination Certificate or an equivalent certificate on the date of submission of application will be accepted by the Commission and no subsequent request for its change will be considered or granted.

**Note 2** : Candidates should also note that once a date of birth has been claimed by them and entered in the records of the Commission for the purpose of admission to an Examination, no change will be allowed subsequently for any other Examination of the Commission on any ground whatsoever.

6. A candidate must have passed the written and practical part of the final M.B.B.S. Examination.

**Note 1** : A candidate who has appeared/or has yet to appear at the final M.B.B.S. Examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination if otherwise eligible but the admission would be deemed to be provisional subject to cancellation, if they do not produce proof of having passed the written and practical parts of the final M.B.B.S. Examination alongwith the detailed application which will be required to be submitted to the Commission by the candidates who qualify on the result of the written part of the examination.

**Note 2** : A candidate who has yet to complete the compulsory rotating internship is educationally eligible for admission to the examination but on selection he will be appointed only after he has completed the compulsory rotating internship.

7. Candidates must pay the fee prescribed in the Commission's Notice.

8. All candidates in Government service, whether in permanent or temporary capacity or as work charged employees other than casual or daily rated employees or those serving under the Public Enterprises are however, required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employer by the Commission with holding permission to the candidates applying for/attending at the examination their application shall be rejected/candidature shall be cancelled.

9. The decision of the Commission with regard to the acceptance of the application of a candidate and his eligibility or otherwise for admission to the examination shall be final.

The candidates applying for the examination should ensure that they fulfil all the eligibility conditions for admission to the Examination. Their admission at all the stages of examination for which they are admitted by the Commission viz. Written Examination and Interview Test will be purely provisional subject to their satisfying the prescribed eligibility conditions. If on verification at any time before or after the Written Examination or Interview Test, it is found that they do not fulfil any of the eligibility conditions, their candidature for the examination will be cancelled by the Commission.

10. No candidate shall be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the commission.

11. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of :—

- (i) Obtaining support for his candidature by any means; or
- (ii) impersonating; or
- (iii) procuring impersonation by any person; or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with; or
- (v) making statements which are incorrect or false or suppressing material information; or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination; or
- (vii) using unfair means during the examination; or
- (viii) writing irrelevant matter including obscene language or pornographic matter in the script(s); or

- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examination; or
- (xi) violating any of the instructions, issued to candidates alongwith their Admission Certificates permitting them to take the examination; or
- (xii) attempting, to commit or as the case may be abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses may in addition to rendering himself liable to criminal prosecution be liable :—
  - (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; and/or
  - (b) to be debarred either permanently or for a specified period :—
    - (i) by the Commission from any examination or selection held by them.
    - (ii) by the Central Government from any employment under them; and
  - (c) if he is already in service under Government to disciplinary action under the appropriate rules.

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after :—

- (i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf; and
- (ii) taking the representation, if any, submitted by the candidate within the period allowed to him into consideration.

12. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the commission in their discretion, shall be summoned by them for an interview for a personality test:

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or Scheduled Tribes or the Other Backward Classes may be summoned for an interview for a personality test by the Commission by applying relaxed standards if the Commission are of the opinion that sufficient number of candidates from these communities are not likely to be summoned for interview for a personality test on the basis of the general standard in order to fill up the vacancies reserved for them.

13. (1) After interview, the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate in Examination. Thereafter, the Commission shall, for the purpose of recommending candidates against unreserved vacancies, fix a qualifying

mark (hereinafter referred to as general qualifying standard) with reference to the number of unreserved vacancies to be filled up on the basis of the Examination. For the purpose of recommending reserved category candidates belonging to Schedule Castes, Scheduled Tribes and other Backward Classes against reserved vacancies, the Commission may relax the qualifying standard with reference to number of reserved vacancies to be filled up in each of these categories on the basis of the examination.

Provided that the candidates belonging to the Scheduled Castes, Scheduled Tribes and the Other Backward Classes who have not availed themselves of any of the concessions or relaxations in the eligibility or selection criteria, at any stage of the examination and who after taking into account the generally qualifying standards are found fit for recommendation by the Commission shall not be recommended against the vacancies reserved for the Scheduled Castes, Scheduled Tribes and Other Backward Classes.

(2) While making service allocation the candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes or Other Backward Classes recommended against unreserved vacancies may be adjusted against reserved vacancies by the Govt. if by this process they get a service of higher choice in the order of their preference.

(3) The Commission may further lower the qualifying standards to take care of any shortfall of candidates for appointment against unreserved vacancies and any surplus of candidates against reserved vacancies arising out of the provisions of this rule, the Commission may make the recommendations in the manner prescribed in Sub-rules (4) and (5).

(4) While recommending the candidates, the Commission shall in the first instance, take into account the total number of vacancies in all categories. This total number of recommended candidates shall be reduced by the number of candidates belonging to the Scheduled Castes, Scheduled Tribes and Other Backward Classes who acquire the merit at or above the fixed general qualifying standard without availing themselves of any concession or relaxation in the eligibility or selection criteria in terms of the proviso to sub-rule (1). Alongwith this list of recommended candidates the commission shall also declare a consolidated reserve list of candidates which will include candidates from general and reserved categories ranking in order of merit below the last recommended candidate under each category. The number of candidates in each of these categories will be equal to the number of reserved category candidates who were included in the first list without availing of any relaxation or concession in eligibility or selection criteria as per proviso to sub-rule (1). Amongst the reserved categories, the number of candidates from each of the Scheduled Castes, the Scheduled Tribe and the Other

Backward Class categories in the reserve list will be equal to the respective number of vacancies reduced initially in each category.

(5) The candidates recommended in terms of the provisions of sub-rule (4), shall be allocated by the Government to the services and where certain vacancies still remain to be filled up, the Government may forward a requisition to the Commission requiring it to recommend, in order of merit from the reserve list, the same number of candidates as requisitioned for the purpose of the unfilled vacancies in each category.

14. The minimum qualifying marks as specified under rule 12 and 13 may be relaxable at the discretion of the Commission in favour of physically handicapped candidates in order to fill up the vacancies reserved for them.

Provided that where a physically handicapped candidate obtains the minimum qualifying marks in his own merit in the requisite number for General, or the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes or the Other Backward Class category candidates, then, the extra physically handicapped candidates i.e. more than the number of vacancies reserved for them shall not be recommended by the Commission on the relaxed standards.

15. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the results.

16. Subject to other provisions contained in these rules, successful candidates will be considered for appointment on the basis of the order of merit assigned to them by the Commission and preference expressed by them for various posts.

17. Success in the examination confers no right to appointment unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary that the candidate having regard to his character and antecedents is suitable in all respects for appointment to the service. The appointment will be further subject to the candidates satisfying the appointing authority of his having satisfactorily completed the compulsory rotating internship.

18. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defects likely to interfere with the discharge of his duties as an officer of the Service. A candidate who after such physical examination, as Government or the appointing authority, as the case may be may prescribe is found not to satisfy these requirements will not be appointed.

The medical examination of the candidates will be held in two parts (Part-I and Part-II). All candidates who qualify for interview/personality test on the basis of

written part of the examination shall be required to undergo Part-I of the medical examination normally on the next working day immediately after the day of interview/personality test of the concerned candidate (there shall be no medical examination on Saturdays, Sundays and closed holidays). The candidates who are declared finally successful on the results of the examination shall be required to undergo Part-II of the medical examination. Arrangements for the medical examination of candidates will be made by the Ministry of Health and Family Welfare (CHS-I Section), Nirman Bhavan, New Delhi and intimation in this regard shall be given by the Ministry to the concerned candidates. In case a candidate does not receive any intimation about the arrangements made for his/her Medical Examination before he/she leaves for his/her interview/personality test he/she should contact personally to the concerned authority in Ministry of Health and Family Welfare immediately after his/her interview/personality test is over. The concerned candidate may have to stay in Delhi until his/her Medical Examination is over. Therefore the candidate should take care of this fact and make his/her own arrangements for stay in Delhi for the purpose of completion of Medical Examination formality. No extension/postponement of the date fixed for the Medical Examination shall be allowed under any circumstances. Also no TA/DA shall be admissible for the purpose of completion of the formality of Medical Examination of the concerned candidate.

19. For being considered against the vacancies reserved for them the physically disabled persons should have disability of Forty per cent (40%) or more. However, such candidates shall be required to meet one or more of the following physical requirements/abilities which may be necessary for performing the duties in the concerned Services/Posts.

#### CODE PHYSICAL REQUIREMENTS

F	1. Work performed by manipulating (with Fingers)
PP	2. Work performed by pulling and pushing
L	3. Work performed by lifting
KC	4. Work performed by kneeling and Crouching
B	5. Work performed by bending
S	6. Work performed by sitting (on bench or chair)
ST	7. Work performed by standing
W	8. Work performed by walking
SE	9. Work performed by seeing
H	10. Work performed by hearing/speaking
RW	11. Work performed by reading and writing.

The functional classification in their case shall be one or more of the following consistent with the requirements of the concerned Services/Posts :—

FUNCTIONAL CLASSIFICATION		
CODE	FUNCTIONS	
EL	1. both legs affected but not arms.	
BA	2. both arms affected—	a. impaired reach b. weakness of grip
BLA	3. both legs and both arms affected	
CL	4. one leg affected (R or L)—	a. impaired reach b. weakness of grip c. ataxic.
OA	5. one arm affected (R or L)	-do-
BH	6. stiff back and hips (cannot sit or stoop).	
MW	7. muscular weakness and limited physical endurance.	
B	8. the blind	
PB	9. partially blind	
D	10. the deaf	
PD	11. partially deaf.	
OL & PA	12. one leg and partial arm effected	
	20. No person.—	
	(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or	
	(b) who having a spouse living has entered into or contracted a marriage with any person;	
	shall be eligible for appointment to service :	

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

21. Brief particulars relating to the Services/Posts to which recruitment is being made through this examination are given in Appendix II.

#### APPENDIX I

I. The Scheme of Examination.—The examination will comprise :

(a) Written Examination.—The candidate will take the examination in the following two papers each of two hours duration carrying a maximum of 200 marks. The question in both the papers will be so designed as to give the following Weightage to different subjects.

#### Paper I (Code No. 1)

	Weightage
(i) General Medicine including Cardiology, Neurology, Dermatology and Psychiatry	60%
(ii) Surgery including E.N.T. Ophthalmology, Traumatology and Orthopaedics	40%

#### Paper II (Code No. 2)

(i) Paediatrics	20%
(ii) Gynaecology and Obstetrics	40%
(iii) Preventive Social and Community Medicine	40%

(b) Personality Test of candidates.—Who qualify in written examination 200 Marks.

II. The examination in both the papers will be completely of objective (multiple choice answer) type. The question Papers (Test Booklets) will be set in English only.

III. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write answers for them.

IV. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or both the papers of the examination.

V. Candidates are not permitted to use calculators for answering objective type papers (Test Booklets). They should not, therefore, bring the same inside the Examination Hall.

VI. The interview for Personality Test will be intended to serve as a supplement to the written examination for testing the General Knowledge and ability of the candidates in the fields of their academic study and also in the nature of a personality test assess the candidate's intellectual curiosity, critical powers of assimilation, balance of judgement and alertness of mind, ability for social cohesion, integrity of character, initiative and capability for leadership.

#### APPENDIX II

Brief particulars relating to the services/posts to which recruitment is being made through this examination are given below :

**I. Assistant Divisional Medical Officer in the Railways :**

- (a) The post in Group A.—The scale of the post is Rs. 8,000-275-13,500 (Revised Scale) plus restricted non-practising allowance as per orders in force from time to time. The rate at present is 25% of the basic pay drawn.
- The candidate will be bound to observe the orders which the Ministry of Railways or any higher authority may issue from time to time restricting or prohibiting private practice by him. The candidates in Government service will be given initial pay in the above mentioned scale according to rules and others will be given the minimum of the pay scale mentioned above.
- (b) A candidate will be appointed on probation for a period of one year which may be extended by the Government if considered necessary. On satisfactory completion of the probation candidates will be eligible for confirmation in the junior scale of the Indian Railway Medical Service.
- (c) The appointment of probationers can be terminated by one month's notice in writing on either side during the period of probation in terms of Rule 301(3) of the Indian Railway Establishment Code, Volume-I. Such notice is not however, required in cases of dismissal or removal as a disciplinary measure after compliance with the provisions of Clause (2) of Article 311 of the Constitution and compulsory retirement due to mental or physical incapacity.
- (d) A candidate will have to undergo training as prescribed by the Ministry of Railways and pass all the Departmental Examinations.
- (e) A candidate will be governed by the "Contributory pension System" effective from 01-01-2004 as per orders of the Government."
- (f) A candidate will be eligible for leave in accordance with the leave rules as in force from time to time and applicable to officers of his status.
- (g) A candidate will be eligible for free Railway Passes and Privilege Ticket Orders in accordance with the rules in force from time to time.
- (h) A candidate will be required to pass the examination in Hindi of an approved standard within the period of probation and failure to do so shall involve liability to termination of service.

- (i) Under the rules every person appointed to the above post shall, if so required be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training, if any.
- Provided that such person :
  - (a) Shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of such appointment.
  - (b) Shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of 45 years.
- (j) Reckoning Service : The Persons who are recruited under these rules to posts to which the conditions prescribed in Rule 45 of Railway Service (Pension) Rules, 1993 are applicable shall be eligible to the benefit of the provisions contained in the rule.
- (k) A candidate will be governed in respect of matters specifically referred to above as well as other matter by the provisions of the Indian Railway Establishment Code and the extant orders as amended/issued from time to time.
- (l) In the first instance a candidate will be posted to the Railway Health Units/Dispensaries at way side Stations, ADMOs are also liable to transfer to any Railway.
- (m) Prospects of promotion including pay scales and allowances attached to higher grades.
- (i) Assistant Divisional Medical Officers with four years service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis are eligible for promotion to the post of Divisional Medical Officers (Senior Scale of Rs. 10,000—15,200) plus restricted non-practising allowances as given in (a) above.
- (ii) Divisional Medical Officers/Senior Medical Officers with six years service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis or on completion of 10 years regular service as Assistant Divisional Medical Officer and Divisional Medical Officers/ Senior Medical Officer of which at least two years regular service shall be as Divisional Medical Officer/Senior Medical Officer are eligible for promotion to the posts of Medical Superintendents in the scale of Rs. 12,000—16,500 plus non-practising allowance at 25% of basic pay drawn.

(iii) Depending upon the number of years of service in the grade of Rs. 12,000—16,500 as prescribed from time to time Medical Superintendents become eligible for promotion to the post of Chief Medical Officers in the scale of Rs. 18,400—22,400 plus non-practising allowance at the rate of 25% of the basic pay drawn.

(n) Duties and Responsibilities :

Assistant Divisional Medical Officers :

- (i) He will attend the indoor wards, and out patient department daily and as required.
- (ii) He will carry out physical examination of candidates and of employees in service in accordance with the regulations in force.
- (iii) He will look after family planning, public health and sanitation in his jurisdiction.
- (iv) He will carry out examination of vendors.
- (v) He will be responsible for discipline and proper discharge of duties of the Hospital Staff.
- (vi) He will carry out duties assigned to him specially if any and will prepare returns and indents connected with his speciality.
- (vii) He will maintain and upkeep of equipments in his charge.

NOTE 1. When in ADMOs is posted at the Headquarter of a division under the charge of Divisional Medical Officer he will assist the Divisional Medical Officer in all his duties but may be specially assigned with certain duties and responsibilities.

NOTE 2. ADMOs will also be required to perform such other duties as may be assigned to them from time to time.

**II Post of Assistant Medical Officer in the Indian Ordnance Factories Health Service under the Ministry of Defence :**

- (a) The Posts are temporary in Group A but likely to be made permanent in due course. The scale of pay is Rs. 8000-275-13,500 plus non-practising allowance (NPA) as per orders in force from time to time. The rate at present is 25% of basic pay.
- (b) The candidates will be on probation for a period of 2 years from the date of appointment which may be curtailed or extended at the discretion of the Competent Authority. On satisfactory completion of the probation period he will continue in the temporary post till confirmed against the permanent vacancy.

- (c) The candidate can be posted anywhere in India in any one of the Ordnance Factory, Hospitals or Dispensaries.
- (d) Private practice of any kind whatsoever is prohibited.
- (e) The appointment can be terminated on one month's notice on either side during the period of probation and thereafter while employed in temporary capacity. The Government reserves the right to give one month's pay in lieu of notice.
- (f) Prospects of promotion including pay scale and allowances attached to the higher grades will be as per the provisions of IOFHS Rules 2001 and the orders and Instructions issued by the Govt. from time to time.
- (g) Nature of Duties.— (1) Assistant Medical Officer:—
  - (i) They will attend to indoor patients in wards/departments of hospitals and out patients/dispensaries/out-patient departments daily and as required.
  - (ii) They will carry out medical examination of employees and candidates for employment in accordance with the regulation in force.
  - (iii) They will maintain the upkeep of equipments in their charge.
  - (iv) They will be responsible for training, discipline and proper discharge of duties of the hospital and dispensary staff.
  - (v) They will perform such other duties as are allotted to them by the Medical Officer-in-Charge as per rules.

(2) Assistant Director Health Services and Senior Medical Officer—

- (a) ADHS posted at the Hrs. will assist the DHS/Addl. DHS/DDHS in discharge of their duties on all medical matters as directed by them.
- (b) He will assist the DHS/Addl. DHS/DDHS in the day to day work of the Medical Section as the Section Officer.
- (c) He will perform such other duties as may be assigned to him by the DHS/Addl. DHS/ DDHS from time to time.
- (d) He will assist the DHS in dealing with all questions relating to Medical Stores and Equipments.

(e) They will arrange medical attention to the employees and their families as per rules.

(f) SMOs will attend indoor Wards, Factory Health Clinic, Estate Clinic, OPD and will be required to perform such other duties and may be assigned by PMO and SMO incharge of the Hospital.

(3) Dy. Director Health Services and Principal Medical Officer :—

(a) DDHS posted at the Hqrs. will assist the DHS/Addl. DHS in the discharge of the latter's duties in matters as directed by him.

(b) PMO—Senior—PMOs will be M.O. incharge of factory, hospitals and the Medical Estt. there.

(c) As M.O. Incharge they will be advisers to the GM of FYs. on all medical matters and make recommendation as considered necessary.

(d) They will arrange medical attention to the employees and their families as per rules.

(e) They will perform such other duties as may be laid down under any statute of Govt. orders or delegated to him by the DHS.

(f) Principal Medical Officers will attend indoor Wards, Factory Health Clinic, Estate Health Clinic OPD and will be required to perform such other duties as may be assigned by PMO-in-charge of the Hospital.

(4) Additional Director Health Services :—

(a) Addl. DHS will assist the DHS in discharge of the latter's duties in the matter as directed by him.

(b) He will act as DHS under order of DGOF in latter's absence on leave, tour etc.

(5) Chief Medical Officer :—

(a) He/She will have overall responsibility Administration of Ord. Fy. Hospitals having specialist centres, including Factory Health Organization and Family Welfare Centre.

(b) Advice General Manager on medical, health, hygiene and occupational health matters.

(c) Plan, Organize and monitor the work of the medical establishments and review progress.

(d) Organize hospital services in accordance with the orders, instructions and regulations issued from time to time by higher authorities.

(e) Ascertain the expressed and implied needs and expectations, grievances and suggestions of patients, factory management, statutory authorities and community and organize the health services to meet them wherever possible.

(f) Ensure that all the resources allotted to the medical establishments are fully and optimally utilized and economy is observed in the functioning.

(g) They will perform such other duties as may be laid down under any statute of Govt. orders or delegated to him by DHS.

(6) Director Health Services :—

(a) Medical Adviser to DGOF on all medical and health matters. Controlling Authority of the Medical Establishment in DGOF organisation on all professional and Technical matters. He will exercise the administrative powers as delegated to him by the DGOF.

(b) He will work out the plans for implementation of the reports/ recommendations accepted by the Govt.

(c) As the controlling Authority he will distribute the personnel according to the requirement of factories.

(d) He will normally represent the DGOF on the UPSC.

(e) He will normally once a year make or cause to be made inspection of all factories and report to the DGOF on the working of Medical installation thereon all matters connected with Medical Estt.

(f) He will initiate ACR of Addl. DHS and will review the reports of all SA grade, JAG(NFSG) & JAG(OG) officers of IOFHS.

### III. Junior Scale Posts in the Central Health Service :

(a) The posts are temporary but likely to continue indefinitely. Candidates will be appointed to Junior Group 'A' scale and they will be on probation for a period of 2 years from the date of appointment which may be curtailed or extended at the discretion of the Competent Authority. They will be confirmed after the satisfactory completion of probation.

- (b) The candidates can be posted anywhere in India in any dispensary or hospital under any organisation participating in the Central Health Service viz. C.G.H.S. operating at Delhi, Bangalore, Bombay, Meerut etc. Lakshadweep, Andaman and Nicobar Islands. P&T Department etc. Private Practise of any kind whatsoever including Lab. and consultant practice is prohibited.
- (c) The scale of pay admissible to the Medical Officer of CHS is Rs. 8,000-275-13,500. Other allowances like N.P.A. H.R.A. etc. and the promotional avenues will be available as per the provision of CHS Rules, 1996 and the orders and instructions issued by the Govt. from time to time.

**IV. Medical Officer in the Municipal Corporation of Delhi :**

- (i) The posts are temporary in category 'A' but likely to be made permanent in due course. The scale of pay is Rs. 8,000-275-13,500 plus restricted no-practising allowance (NPA) as per orders in force from time to time.
- (ii) The candidate will be on probation for a period of one year from the date of

appointment which may be curtailed or extended at the discretion of competent authority. On satisfactory completion of the probation period, he will continue in the temporary post till confirmed against the permanent vacancy.

- (iii) The candidate can be posted any where within the jurisdiction of the Municipal Corporation of Delhi in any one of the Hospitals/Dispensaries/M&CW and Family Welfare Centres/Primary Health Centres etc.
- (iv) Private practice of any kind whatsoever is prohibited.
- (v) The appointment can be terminated on one month's notice on either side during the period of probation and thereafter while employed in temporary capacity. The Municipal Corporation of Delhi reserve the right to pay one month's pay in lieu of notice.

Prospects of promotion including pay scales and allowances attached to the higher grades shall be according to the provision of the Recruitment regulations.

B. P. SHARMA, Jt. Secy.